

डीआरडीओ समाचार



डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

<https://www.drdo.gov.in/samachar>

ISSN: 0971-4405

जुलाई 2024 खण्ड 36 अंक 07

नई पीढ़ी की एंटी-रैडिएशन मिसाइल (NGARM/ RUDRAM-I) का सफल वाश्हेड मिशन



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव

मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण

संपादक: दीप्ति अरोरा

सहायक संपादक: धर्म वीर

अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष

जुलाई 2024 खण्ड 36 अंक 07

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचोंक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	गुप कैंप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



इस अंक में

मुख्य लेख	4
उत्पाद प्रदर्शन	6
अवसंरचना विकास	8
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार	9
घटनाक्रम	10
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	16
कार्मिक समाचार	21



निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	22
-------------------------	----

वर्तमान अंक, DRDO Newsletter, Vol 44, Issue 7, July 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल (NGARM/RUDRAM-I) का सफल वारहेड मिशन

भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित नई पीढ़ी की एंटी-रेडिएशन मिसाइल (NGARM/RUDRAM-I) का 02 मई 2024 को राजस्थान के चंदन रेंज में सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। 5 मीटर की मिस-डिस्टेंस के साथ, मिसाइल ने अपनी लक्षित सीमा हासिल कर ली और लक्ष्य को भेद दिया। प्रक्षेपण ने सभी मिशन उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस सफल परीक्षण का उद्देश्य मिसाइल के अंतिम चरण के दौरान वारहेड के संचालन का प्रदर्शन करना था।

मिशन अनुक्रम ने मिसाइल को

चंदन रेंज में लक्ष्य की ओर सफलतापूर्वक निर्देशित किया, और वारहेड ने लक्ष्य पर विस्फोट किया, जिससे वह नष्ट हो गया।

इस उड़ान परीक्षण के माध्यम से कई मिशन घटनाओं और प्रौद्योगिकियों को मान्य किया गया, जैसे कि लॉन्च विमान से हथियार का सुरक्षित पृथक्करण, लंबी दूरी की दोहरी-स्पंदन ठोस प्रणोदन प्रणाली, जड़त्वीय नौवहन प्रणाली और विद्युत-यांत्रिक सक्रियण प्रणालियों का उपयोग करने वाले मार्गदर्शन और नियंत्रण एल्गोरिदम, लेजर अल्टीमीटर के माप के आधार

पर एंड-गेम प्रोसेसर का संचालन, और सुरक्षित-हथियार तंत्र द्वारा पूर्व-खंडित वारहेड का विस्फोट।

इस परीक्षण के साथ, एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया गया, और उच्च सटीकता के साथ लक्ष्यों को निष्क्रिय करने का विश्वास प्रदर्शित किया गया।

विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, भारतीय वायु सेना इकाइयों, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (नासिक), और क्यूए और प्रमाणन एजेंसियों, अर्थात् MSQAA और CEMILAC ने इस मिशन में भाग लिया।



सुखोई-30 MKI लड़ाकू विमान पर NGARM

NGARM, जिसे अब RUDRAM-I के नाम से भी जाना जाता है, एक एंटी-रेडिएशन मिसाइल है जिसकी भूमिका सप्रेसन ऑफ एनिमी एयर डिफेंसेस (SEAD) मिशन की है। यह एक हवा से जमीन पर मार करने वाली हथियार प्रणाली है जिसे भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 MKI लड़ाकू विमानों से दागा जाता है।

इस हथियार प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, द्वारा नोडल प्रयोगशाला के रूप में डिजाइन और विकसित किया गया है, जिसमें डीआरडीओ प्रयोगशालाओं जैसे अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), और विभिन्न उद्योग भागीदारों का सहयोग शामिल है।



वारहेड विस्फोट से पहले लक्ष्य



अंतिम चरण में वारहेड विस्फोट



वारहेड विस्फोट के बाद लक्ष्य

वायु से सतह पर मार करने वाली मिसाइल-RUDRAM-II का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), ने 29 मई 2024 को ओडिशा के तट पर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के Su-30 MK-I प्लेटफॉर्म से हवा से सतह पर मार कर सकने वाली मिसाइल RUDRAM-II का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

उड़ान परीक्षण ने सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा किया, प्रणोदन प्रणाली और नियंत्रण एवं मार्गदर्शन एल्गोरिदम को मान्य किया। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज ने उड़ान डेटा को कैचर करने और मिसाइल के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए विभिन्न स्थानों पर, जहाज पर तैनात विद्युत-ऑप्टिकल प्रणाली, रडार और टेलीमेट्री स्टेशन जैसे रेंज ट्रैकिंग उपकरण तैनात किए।

RUDRAM-II एक स्वदेशी रूप से विकसित ठोस-प्रणोदित हवा-लॉन्च मिसाइल प्रणाली है जो हवा से



जमीन की भूमिका के लिए है ताकि कई प्रकार के दुश्मन संपत्तियों को निष्क्रिय कर सके। मिसाइल प्रणाली विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकों को शामिल करती है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने RUDRAM-II के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, IAF और

उद्योगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सफल परीक्षण ने सशस्त्र बलों के लिए RUDRAM-II प्रणाली की भूमिका को बल गुणक के रूप में समेकित कर दिया है।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, (डीआरडीओ), ने डीआरडीओ टीम को उनके अथक प्रयासों और सफल उड़ान परीक्षण में योगदान के लिए बधाई दी।

सॉफ्ट लक्ष्य युद्ध सामग्री निपुण का परीक्षण

आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, ने उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे, के सहयोग से, भारतीय सेना द्वारा प्रदान की गई सामान्य स्टाफ गुणात्मक आवश्यकताओं (जीएसक्यूआर) के आधार पर सॉफ्ट लक्ष्य युद्ध सामग्री निपुण विकसित किया।

निपुण युद्ध सामग्री ने उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों को सफलतापूर्वक पार कर लिया है, जो सभी जीएसक्यूआर मापदंडों के अनुपालन का प्रदर्शन करता है। युद्ध सामग्री में लोड-असिस्टेड



आर्मिंग मैकेनिज्म, एंटी-कृतक प्लास्टिक सामग्री, और बेहतर विस्फोटक जैसी अनूठी विशेषताएं हैं।

सॉफ्ट लक्ष्य युद्ध सामग्री निपुण हैंडलिंग, परिवहन और लेटने के दौरान बढ़ी हुई सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

द्रव्यमान : 200 ग्राम

आयाम : व्यास 92 मिमी

ऊंचाई : 53 मिमी

एआरडीई ने इस तकनीक को दो भारतीय निजी उद्योगों को हस्तांतरित कर दिया है: मेसर्स ईईएल, नागपुर, और मेसर्स पीईएल, हैदराबाद। भारतीय सेना ने दोनों उत्पादन एजेंसियों को कुल 6.97 लाख युद्ध सामग्री का ऑर्डर

दिया। दोनों उद्योगों ने मई 2024 में 41,000 मुनिशन का पहला बैच दे दिया है। एआरडीई ने डीजीक्यूए प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक पूर्व-प्रेषक निरीक्षण (पीडीआई) पूरा किया, प्रत्येक उत्पादन एजेंसी से 10 से अधिक दोषरहित लॉट को मंजूरी दी।

सीएपीएफ अधिकारियों के लिए 7.62 X 51 मिमी असॉल्ट राइफल उग्रम, का प्रदर्शन-सह-परीक्षण

असॉल्ट राइफल सशस्त्र बलों में अग्रिम पंक्ति के सैनिकों का प्राथमिक व्यक्तिगत हथियार है और इसे मजबूत, घातक, संभालने में हल्का, और प्रभावी होना चाहिए। यह सैनिकों को पारंपरिक अभियानों के दौरान दुश्मन के करीब जाकर उसे मारने की अनुमति देता है। असॉल्ट राइफल पहले की 7.62 मिमी बोल्ट-एक्शन एसएलआर से विकसित होकर वर्तमान में सेवा में मौजूद 5.56 मिमी इंसस राइफल बन गई है। कैलिबर में कमी सिद्धांत और अवधारणा में बदलाव के कारण हुई थी, जिसे मारने से अक्षम करने तक बेहतर माना जाता था क्योंकि इससे अधिक सैनिक बंधे रहेंगे। हालांकि, वर्तमान परिचालन परिदृश्य को देखते हुए, भारतीय सेना फिर से 7.62 मिमी कैलिबर की असॉल्ट राइफल पर वापस जा रही है, जो अक्षम करने के बजाय मारने के लिए गोली चलाने के सिद्धांत को अपना रही है।

आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, ने भारतीय सेना द्वारा जारी जीएसक्यूआर 1607 के अनुसार MM परियोजना के तहत 7.62X51 मिमी असॉल्ट राइफल (उग्रम) डिजाइन की है। विभिन्न उपयोगकर्ताओं के साथ व्यापक बातचीत के माध्यम से, एआरडीई ने डिजाइन विकसित किया और विशेष रूप से सहज संचालन आवश्यकताओं को शामिल किया।

एआरडीई ने उग्रम को विकसित करने के लिए हैदराबाद स्थित वीपा डिफेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक विकास अनुबंध किया। वीपा डिफेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने चार महीने के रिकॉर्ड समय में हथियार के पहले पांच प्रोटोटाइप बनाए। उग्रम असॉल्ट राइफल का भार 4 किलोग्राम से कम है, इसमें बेहतरीन एर्गोनॉमिक्स है और

इसके प्रदर्शन पैरामीटर अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह ध्यान में रखते हुए कि उग्रम असॉल्ट राइफल सीमा सुरक्षा के साथ-साथ तटीय वातावरण (नक्सल विरोधी अभियान) में शामिल सीएपीएफ के लिए उपयुक्त होगी, डीआरडीओ मुख्यालय के कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) द्वारा 2 और 3 मई, 2024 को एआरडीई में दिल्ली



पुलिस सहित गृह मंत्रालय के तहत सभी सीएपीएफ अधिकारियों के लिए एक प्रदर्शन-सह-परीक्षण आयोजित किया गया। परीक्षणों में शामिल सीएपीएफ में बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी, और असम राइफल्स थे। सीएपीएफ के प्रतिनिधियों ने फायरिंग और हथियारों सहित जीएसक्यूआर मापदंडों के अनुसार उग्रम असॉल्ट राइफल का बड़े पैमाने पर परीक्षण और मूल्यांकन किया। सभी जीएसक्यूआर मापदंडों का अनुपालन करते हुए हथियारों का प्रदर्शन बहुत अच्छा पाया गया।

सीएपीएफ की टीम ने पूर्व आयातित सिग 716 राइफल के साथ उग्रम का तुलनात्मक मूल्यांकन भी किया और पाया



की यह संभालने में, कार्यात्मक भूमिका में सर्वश्रेष्ठ है। निदेशक, डीएलआईसी सक्रिय रूप से गृह मंत्रालय के पुलिस

आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है ताकि 'उग्रम' को सीएपीएफ में शामिल किया जा सके।

वृहत कास्ट क्योर सुविधा का उद्घाटन

ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक, में भविष्य की परियोजनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक विशाल कास्ट-क्योर सुविधा बनाई गई है। यह सुविधा 50 टन वर्ग के एचडी 1.3 श्रेणी और 10 टन वर्ग के एचडी 1.1 श्रेणी के बड़े आकार के रॉकेट मोटरों के प्रसंस्करण के लिए है।

इस सुविधा का उद्घाटन 18 मई 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी, एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), डॉ अनिल प्रसाद दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एचईएमआरएल, श्री टीवी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं महाप्रबंधक, एसीईएम, तथा श्री गगन इंदर वाधवा, सीई (सीडब्ल्यू एंड ई), सीसीई (आरएंडडी) पश्चिम, पुणे, उपस्थित थे। कार्यक्रम एएनएसपी से श्री सीएच सूर्यकिरण,



वैज्ञानिक 'जी' भी उपस्थित थे। एसीईएम, नासिक; ईएमयू, नासिक; और सीसीई (आरएंडडी) नासिक टीमों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी, एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, की ओर से श्री राव ने रिबन काटकर और पर्दा

उठाकर सुविधा का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद, श्री राव ने एक प्रस्तुति दी जिसमें वृहत कास्ट-क्योर सुविधा की विशेषताओं का विवरण दिया गया।

महाप्रबंधक ने अध्यक्ष को वृहत कास्ट-क्योर सुविधा का एक आभासी दौरा प्रदर्शित किया, जिसमें प्रमुख उपकरणों और प्रणालियों का विवरण दिया गया।

उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण लाइसेंस करार दस्तावेजों का हस्तांतरण

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी, एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने 23 मई 2024 को डीआरएल, तेजपुर, की अपनी यात्रा के दौरान तीन उद्योगों को एंटी-माइक्रोबियल बेडशीट और एंटी-बेडबग बेडशीट के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण लाइसेंस करार दस्तावेजों को सौंपा। उन्होंने डीआरएल की वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए डीआरएल की प्रगति और उपलब्धियों को भी उजागर किया।

इस अवसर पर, डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक, एवं महानिदेशक (एलएस), ने सशस्त्र बलों को लाभ



पहुंचाने वाले अनुवादात्मक अनुसंधान के लिए शिक्षा जगत और उद्योगों के साथ सहयोग स्थापित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ डीवी कंबोज, निदेशक, डीआरएल, ने जंगल युद्ध, हस्ताक्षर

न्यूनीकरण, और एंटोमोलॉजिकल जैव-खतरे की भविष्यवाणी एवं शमन पर ध्यान केंद्रित करते हुए डीआरएल की नई अनुसंधान और विकास दिशाओं को रेखांकित किया।

डीआरडीई, ग्वालियर ने आईसीएमआर-एनआईवी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर, एनआईवी), पुणे, के बीच 01 मई 2024 को आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली, में रक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के उच्च जोखिम वाले विषाणुओं पर उन्नत निदान और चिकित्सा प्रतिवादों पर सहयोगी अनुसंधान और विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

डॉ मनमोहन परिदा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीआरडीई, और डॉ नवीन कुमार, निदेशक, एनआईवी, ने डॉ राजीव बहल, सचिव, डीएचआर, एवं महानिदेशक-आईसीएमआर, तथा डॉ यूके सिंह, महानिदेशक (एलएस) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इस कार्यक्रम में दोनों संगठनों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिनमें महानिदेशक



(एलएस), के कार्यालय से डॉ डीटी सेल्वम, निदेशक (पीएम), डॉ पीके दाश, वैज्ञानिक 'जी', तथा डीआरडीई से डॉ एमके मेघवंसी, वैज्ञानिक 'एफ' और आईसीएमआर मुख्यालय से डॉ निवेदिता गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' शामिल थे। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोगी आरएंडडी कार्यक्रम करना है, जिसमें उच्च जोखिम वाले रोगजनकों पर संयुक्त तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम, सहयोगी आरएंडडी

परियोजनाएं, जैविक नमूनों को साझा करना और संयुक्त सेमिनार आयोजित करना शामिल है। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, भारत के दोनों प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थानों ने जैव रक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षमताओं और तैयारियों को मजबूत करने के लिए एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, ने 28 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री बीवी पापा राव, निदेशक, एएसएल, ने सभा को संबोधित किया और इस वर्ष की थीम 'सतत भविष्य के लिए स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना' के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने एएसएल की हालिया उपलब्धियों और भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में भी बताया।

डॉ आर श्रीनिवासन, वैज्ञानिक 'जी' ने 'ठोस प्रणोदक प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली का उपयोग करते हुए सामरिक मिसाइल नियंत्रण' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने अपर्याप्त वायुगतिकीय नियंत्रण की अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाली मैन पोर्टेबल मिसाइलों के लिए महत्वपूर्ण नियंत्रण आवश्यकताओं पर चर्चा की, (अर्थात्) प्रक्षेपण चरण, प्रज्वलन और अंतिम युद्धाभ्यास के दौरान। श्री राव ने डॉ श्रीनिवासन को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।



कैम्स, बेंगलुरु

श्री धीपू टीएम, वैज्ञानिक 'ई' ने वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैम्स), बेंगलुरु, में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। व्याख्यान 'रक्षा के लिए कंप्यूटर विज्ञान में उन्नति: विज्ञान ट्रांसफॉर्मर्स में एक झलक' पर दिया गया। व्याख्यान में ट्रांसफॉर्मर आर्किटेक्चर के उभरते क्षेत्र पर चर्चा

की गई, जो वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अत्याधुनिक है। व्याख्यान की समाप्ति पर, डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, निदेशक, कैम्स, ने श्री धीपू टीएम को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।



चेस, हैदराबाद

सेंटर फॉर हाई एनर्जी सिस्टम्स एंड साइंसेज (चेस), हैदराबाद, ने 15 मई 2024 को सेप्टेम के अध्यक्ष डॉ मनोरंजन पत्री की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करके राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। डॉ जगन्नाथ नायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, चेस, ने सभा को संबोधित किया, तथा इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को सेनाओं के लिए उपयोगी और लागत प्रभावी उच्च शक्ति वाले लेजर-आधारित डीईडब्ल्यू उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। आईआईटी-हैदराबाद के सहायक प्रोफेसर डॉ के नित्यानंदन ने 'स्मार्ट समाधानों के लिए उभरती लेजर-आधारित प्रौद्योगिकी' पर एक विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया। सुश्री शिल्पी गोयल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'कोहेरेंट बीम कॉम्बिनेशन: फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी फॉर डायरेक्ट एनर्जी वेपन्स' शीर्षक पर एक एक व्याख्यान दिया। सुश्री गोयल ने सेप्टेम के अध्यक्ष से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस प्रमाण पत्र और पदक प्राप्त किया। इसके बाद, मुख्य अतिथि डॉ पात्री ने मुख्य व्याख्यान दिया।



डीआरडीई, ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, ने 13 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस अवसर पर, डॉ एस पोन्नरियाप्पन, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'बायो-एरोसोल डिटेक्शन और आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजीज में प्रगति: जैविक खतरों से बचाव' विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। व्याख्यान में बायोएरोसोल टेक्नोलॉजीज में नवीनतम रुझानों और विकास तथा जैविक रक्षा के लिए उनके निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ एमएम परिदा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक ने उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया।



डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, ने 13 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। डीआरएल, तेजपुर और डीएफआरएल, मैसूर, के पूर्व निदेशक डॉ के संथानम ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत डीआरएल के निदेशक डॉ देव व्रत कंबोज के स्वागत व्याख्यान से हुई।



उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के सार पर प्रकाश डाला और अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों और प्रौद्योगिकीविदों को प्रेरित करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में इस दिन के महत्व पर जोर दिया। डॉ पी चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का व्याख्यान 'थेरेपी और डिलीवरी: भविष्य के सैनिकों को विकसित करने के लिए दवाओं का उपयोग' पर दिया। उन्हें एक प्रशस्ति प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और अनुसंधान एवं विकास में अपने व्यापक अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर 10 मई 2024 को डीआरएल, तेजपुर, में असम के सोनितपुर जिले के स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान मॉडल प्रदर्शन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।



इनमास, दिल्ली

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, ने 10 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया।

इनमास के निदेशक डॉ सुधीर चांदना ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को सलाह दी कि अनुसंधान एवं विकास की योजना बनाने और उसे अच्छी तरह से परिभाषित तरीके से क्रियान्वित करने तथा निर्धारित लागत और समय सीमा के भीतर लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

श्री विनोद कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'सीबीआरएन आपातकालीन तैयारी को बढ़ाने के लिए उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। अपने प्रस्तुतीकरण में, वक्ता ने इनमास

द्वारा विकसित कुछ व्यावसायिक रूप से उपलब्ध सीबीआरएन उत्पादों पर प्रकाश डाला, जैसे दिव्यदृष्टि टीएम (मोबाइल होल-बॉडी काउंटर), रेमोकॉन टीएम (सेल्फ डिकॉन वाइप्स), शुद्धिका टीएम (बडीकेयरडिकॉन वाइप्स), प्रोटेक्टन टीएम (मेडिकल रिस्पोन्डर प्रोटेक्शन सूट), और स्वच्छ श्रृंखला उत्पाद।

डॉ चांदना ने श्री विनोद कुमार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।



आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, ने 10 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री अनुराग कुशवाह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'रक्षा में लिडार प्रौद्योगिकी और डीआरडीओ में स्वदेशी विकास के प्रयास' पर व्याख्यान दिया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई, ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने राजस्थान में भारतीय सेना की पोखरण परीक्षण रेंज में तीन परमाणु परीक्षणों के सफल संचालन में शामिल वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, इंजीनियरों और अन्य सभी की सफलता और उपलब्धियों के लिए इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ अजय कुमार ने श्री कुशवाह की सराहना की और उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।



एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं

विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु ने 10 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री पोटलुरी वेंकट शिव राव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'हाई-पावर माइक्रोवेव डिवाइस और सिस्टम के विकास में मैकेनिकल इंजीनियरिंग दृष्टिकोण' विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्हें एमटीआरडीसी के केंद्र प्रमुख डॉ एसके दत्ता ने पदक और व्याख्यान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।



एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 10 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री सुरेंद्र कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, एआरडीई, पुणे, मुख्य अतिथि थे, जबकि डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम), विशिष्ट अतिथि थे। समारोह के हिस्से के रूप में, एक ओपन हाउस प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें 150 मॉडल प्राप्त हुए। डॉ किशोर कुमार कटिकानी, वैज्ञानिक 'एफ' और अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस ने स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर, श्री एस सत्या कुमार, वैज्ञानिक 'ई' को 'स्वदेशी ली-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी थर्मल रनवे से प्रतिरक्षित है' विषय पर उनके व्याख्यान के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।



कैब्स में स्थापना दिवस समारोह

बेंगलुरु स्थित वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), की स्थापना 01 फरवरी 1991 को हुई और 11 मई 2024 की शाम को 33वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी, एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, थे। श्री एमजे सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरोनॉटिक्स) तथा एयर वाइस मार्शल तरुण चौधरी, वीएसएम, एसीएस (प्रोजेक्ट), वायु मुख्यालय, विशिष्ट अतिथि थे। डॉ एस क्रिस्टोफर, पूर्व सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, सहयोगी डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक और विभिन्न उद्योग घरानों से आमंत्रित लोग भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

महानुभावों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए वायु सेना के एयरक्राफ्ट सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टैब्लिशमेंट (एएसटीई) में शहीद स्मारक का दौरा किया। डॉ कामत ने गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इलेक्ट्रिकल रिग फॉर एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (ERAS) सुविधा का उद्घाटन किया।

डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, कैब्स, ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा प्रयोगशाला की पिछले वर्षों में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ERAS सुविधा के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी तथा बताया कि परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो गई है और रिग को सेमिलेक द्वारा प्रमाणित कर दिया गया है।

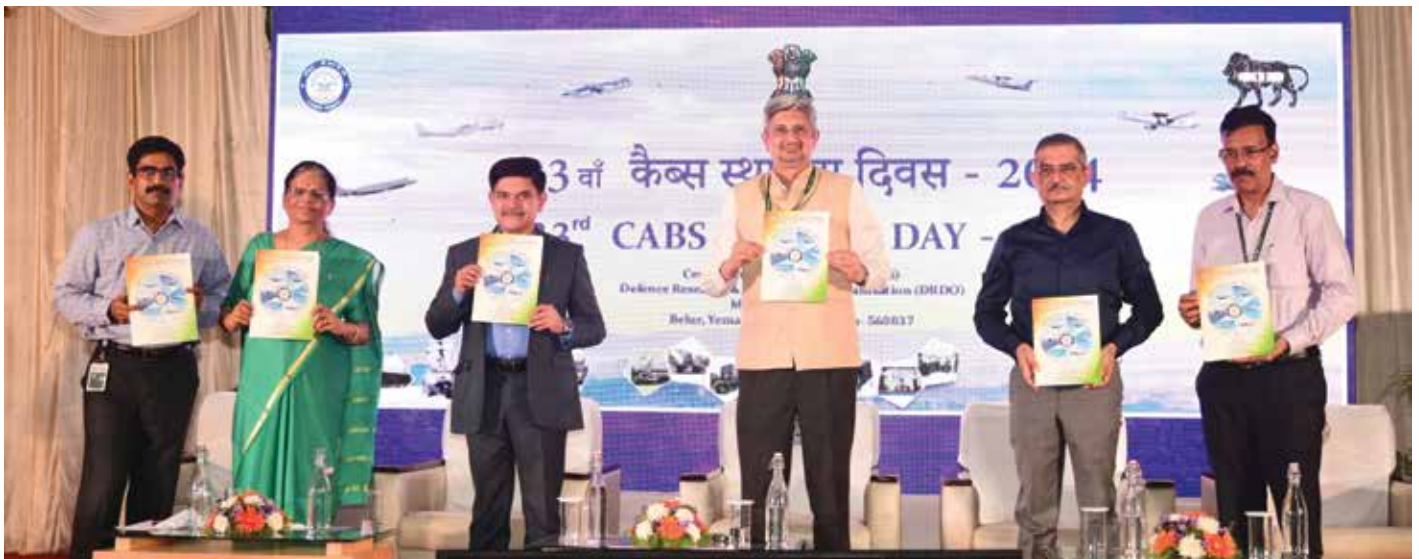
एवीएम तरुण चौधरी ने कैब्स द्वारा भारतीय वायुसेना को अतीत में प्रदान की गई दो AEW&C NETRA प्रणालियों के कामकाज पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहा AEW&C Mk-II कार्यक्रम भारतीय वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है तथा उन्होंने परियोजनाओं की सफलता के लिए सभी की सराहना की।

श्री सिद्दीकी ने कैब्स द्वारा पिछले वर्षों में की गई प्रगति की सराहना की तथा कैब्स के सभी कार्यों/कार्यक्रमों के सफल निष्पादन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

पिछले कुछ वर्षों में कैब्स की उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कैब्स न्यूजलेटर का विमोचन किया गया। कैब्स के निदेशक ने मौजूदा दो हेंगरों के लिए नए नाम 'रक्षक' और 'शक्ति' घोषित किए। इस अवसर पर डीआरडीओ में पहली बार 'डीआरडीओ फ्लाइंग टेस्ट इंजीनियर्स (FTE) प्रतीक चिन्ह' जारी किया गया। श्री एएस कुमारन, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री देबजीत मोदक, वैज्ञानिक 'सी' को एफटीई प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। डॉ कामत ने श्री मोदक को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया, जिन्होंने 2023 में एफटीई कोर्स पूरा किया और प्रथम रैंक प्राप्त की। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मिशन सिस्टम इंटीग्रेशन एंड टेस्ट रिग (MySIR) मॉडल का अनावरण किया गया और इसे चालू वर्ष के लिए 'प्रोडक्ट रिलीज' घोषित किया गया।

डॉ एसके वेंकटेश, वैज्ञानिक 'जी' और आयोजन समिति के अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों और सभी आमंत्रित अतिथियों को अपना बहुमूल्य समय देने और इस अवसर पर उपस्थित होने के लिए आभार व्यक्त किया।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 21 जून 2024 को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीएमएसआरडीई, ने किया। उन्होंने स्वागत भाषण दिया तथा प्रत्येक मनुष्य के लिए स्वस्थ एवं तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए औषधि के रूप में योग की उपयोगिता के बारे में बताया।

डॉ राकेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक 'ई' ने मन और शरीर के बीच पूर्ण सामंजस्य प्राप्त करने में योग के लाभों के बारे में बताया। उन्होंने डीएमएसआरडीई कर्मियों द्वारा किए जाने वाले विभिन्न योगासन भी दिखाए। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ कविता अग्रवाल, वैज्ञानिक 'एफ' थीं।



ईएमयू, हैदराबाद

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के 10वें संस्करण के अवसर पर, ईएमयू (आर एंड डी), हैदराबाद, ने 21 जून 2024 को योग दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कर्मचारियों को शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2024

का विषय 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' है, जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने पर केंद्रित है।

बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में स्वेच्छा से भाग लिया, सफेद ड्रेस कोड का पालन किया और उत्साहपूर्वक योगासन, प्राणायाम, मुद्राएँ कीं।

योग गुरु श्री वेंकट रेड्डी गारु, डॉ शेख गौस मोहिद्दीन, अवर सीसीई एवं एस्टेट मैनेजर, तथा उनकी टीम ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, एस्टेट मैनेजर ने सलाह दी कि योग हमारे शरीर को तरोताजा करता है और हमें शांत और फिट रखता है तथा संतुलित एवं अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए इसे हर दिन अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रत्येक प्रतिभागी को भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण बनना चाहिए और नियमित रूप से अभ्यास करने की आदत डालनी चाहिए।



पीएक्सई, चांदीपुर

21 जून 2024 को प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रत्नाकर एस

मोहपात्रा, वैज्ञानिक 'एफ' के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के इतिहास के साथ हमारे दैनिक जीवन में योग के महत्व को बताया। इस अवसर पर श्री मनोरंजन स्वैन, आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर, बालासोर के वरिष्ठ संकाय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

योग के लाइव प्रदर्शन के दौरान सह-प्रशिक्षक श्री श्रीधर सेनापति ने उनकी सहायता की। उन्होंने विभिन्न योग आसन, प्राणायाम और ध्यान का प्रदर्शन किया। उन्होंने विभिन्न आसनों के गुणों के बारे में बताया और उन्हें दैनिक जीवन में अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने पीठ दर्द, मानसिक तनाव, चिंता और अन्य बीमारियों जैसी प्रत्येक समस्या के लिए संबंधित आसनों के नाम सुझाए। उन्होंने भाग लेने वाले कर्मचारियों द्वारा उठाए गए संदेह को भी स्पष्ट किया। पीएक्सई के सैन्य विंग का भी अवलोकन किया गया, जहां सेवा कर्मियों और डीएससी दोनों ने भाग लिया।

श्री अनिरुद्ध बोस, वैज्ञानिक 'जी', कार्यवाहक निदेशक ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के लाभ पर जोर दिया और कर्मचारियों से इसका लाभ उठाने के लिए अभ्यास करने का अनुरोध किया। इस कार्यक्रम में लगभग 270 कर्मचारियों ने भाग लिया।



विश्व दूरसंचार दिवस 2024 समारोह

17 मई 2024 को एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, में विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस 2024 मनाया गया। श्री के सुचेन्द्र, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईटीआर, ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आईटीआर के पूर्व निदेशक श्री एचके राठा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) द्वारा 'एचएफ का पुनर्जागरण और परीक्षण रेंज के लिए इसकी प्रासंगिकता' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल



हुए।

कार्यक्रम का आयोजन श्री प्रदीप

साहा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एंटी ड्रोन प्रणाली-डी4 की तैनाती

डीआरडीओ ने 09 जून 2024 को राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान डी4-एंटी ड्रोन प्रणाली की तैनाती की।

सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से, राष्ट्रपति भवन के आसपास के क्षेत्र में कार्यक्रम के लिए डी4 प्रणाली को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया, ताकि राष्ट्रपति भवन सुरक्षा विंग द्वारा घोषित रेड जोन में उड़ने वाले अवांछित ड्रॉन्स से सुरक्षा प्रदान की जा सके।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं, जैसे एलआरडीई, डीएलआरएल, चेस, आईआरडीई, और मेसर्स बीईएल की टीमों को प्रणाली के संचालन के लिए तैनात किया गया। सीसीई (आरएंडडी), दिल्ली, डीएमएस, और ईएमयू ने लॉजिस्टिक सहायता दी। समग्र कार्यक्रम का समन्वय डीएलआईसी द्वारा किया गया।



विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

5 जून, 2024 को, नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने विश्व का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय कार्यक्रम, विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। पर्यावरण दिवस 2024 का विषय 'लैंड रेस्टोरेशन, डेजर्टीफिकेशन, एंड ड्रॉट रेसिलिएंस' है, जिसका नारा है 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य। हम हैं #Generation Restoration' और यह नारा भूमि पुनर्स्थापन, मरुभूमिकरण का मुकाबला करने और सूखे के प्रति दृढ़ निश्चय को बढ़ाने के महत्व पर जोर देता है। एनपीओएल पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल यह दिन मनाता है। तकनीकी परिसर में पौधे लगाए गए और कार्यक्रम का नेतृत्व



डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल ने किया।

एनपीओएल के वर्क्स एस्टेट्स एंड सर्विसेज ग्रुप ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

आईटीआर में रक्तदान शिविर

एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, ने 29 मई 2024 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। आईटीआर के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक श्री के सुचेंद्र ने शिविर का उद्घाटन किया।

बालासोर के जिला मुख्यालय अस्पताल के रक्त बैंक प्रमुख डॉ बसंत उपाध्याय तथा डॉ नीलाद्रि राँय, डीओएमएस, आईटीआर, ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

श्री सुचेंद्र ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आपके द्वारा दान किया गया रक्त किसी को जीवन का दूसरा मौका देता है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। हमें सभी को स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

शिविर में कुल 388 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस नेक कार्य में



कई वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, आईटीआर परिवार, और डीएससी

कर्मियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी को एक प्रमाण पत्र दिया गया।

आईआरडीई में कानूनी मामलों के संचालन पर कार्यशाला

डीआरडीओ मुख्यालय के कार्मिक निदेशालय (डीओपी), द्वारा यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई) के सहयोग से देहरादून में 06-07 जून 2024 को 'कानूनी मामलों के संचालन' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रयोगशालाओं और स्थापनाओं को कानूनी मुद्दों को संभालने में आवश्यक प्रक्रियात्मक पहलुओं और तत्परता से अवगत कराना था। कार्यशाला में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पहले दिन, एक प्रतिष्ठित वक्ता, माननीय श्री अशोक कुमार कक्कर, जिला न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), ने प्रशासनिक कानून, विशेष रूप से अदालतों में

सरकारी विभागों द्वारा मुकदमों का बचाव करने के बारे में न्यायपालिका के दृष्टिकोण पर प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। इसके अलावा, श्री परवेश कुमार, संयुक्त निदेशक, डीओपी, ने प्रतिभागियों को अदालती मामलों के संचालन की प्रक्रियात्मक पहलुओं से अवगत कराया, जिसमें प्रतिवाद हलफनामे तैयार करना, अदालती आदेशों का कार्यान्वयन, अवमानना याचिकाओं का निपटारा आदि शामिल हैं।

दूसरे दिन, एक अन्य प्रख्यात वक्ता, श्री विजय बहुगुणा, उप महाप्रबंधक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ने अनुबंध कानून और मध्यस्थता के विषयों पर प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ बीके

दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) ने किया और लीडर्स द्वारा मुकदमेबाजी से बचने के लिए लचीलेपन और शिकायत निवारण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई; श्री एलसी मंगल, निदेशक डील; श्री एसपी डोभाल, निदेशक आईटीएम; और डॉ संजय के द्विवेदी, निदेशक, डीओपी ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

समापन सत्र के दौरान, श्रीमती यू जया सांथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और प्रतिक्रिया ली। श्रीमती सांथी ने प्रयासों की सराहना की और शुरुआती चरण में ही मुद्दों को हल करने की आवश्यकता पर बल दिया।



डीआईपीआर द्वारा एससीएस, बेंगलुरु में मानकीकरण अभ्यास

अधिकारी चयन प्रणाली की प्रभावकारिता स्थापित करने के लिए वर्ष भर आयोजित की गई अनेक गतिविधियों और पहलों के भाग के रूप में, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने सेवा मुख्यालय के सहयोग से मानकीकरण अभ्यास आयोजित किया, जो सभी सेवाओं और वायु सेना द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

अखिल भारतीय मानकीकरण अभ्यास (एआईएसई) 2024

अखिल भारतीय मानकीकरण अभ्यास (एआईएसई) 2024, का आयोजन 06-11 मई 2024 के दौरान चयन केंद्र दक्षिण (एससीएस), बेंगलुरु, में किया गया। देश भर में फैले 13 सेना बोर्डों तथा वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक बोर्डों, प्रत्येक से एक सहित 16 सेवा चयन बोर्डों (एसएसबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 50 मूल्यांकनकर्ताओं ने एक ही बैच में छह दिवसीय अभ्यास में भाग लिया। इन मूल्यांकनकर्ताओं ने उम्मीदवारों के लाइव बैच का मूल्यांकन किया, जो उनके परीक्षण के लिए एससीएस में रिपोर्ट किए गए थे। वैज्ञानिकों और सेवा अधिकारियों की डीआईपीआर टीम ने प्रत्येक मामले पर चर्चा करते हुए अभ्यास का संचालन किया। वैज्ञानिकों, सेवा अधिकारियों, और मूल्यांकनकर्ताओं ने चयन-संबंधी पहलुओं से संबंधित प्रस्तुतियाँ दीं। भारतीय सेना के एडजुटेंट जनरल, महानिदेशक आरटीजी, निदेशक डीआईपीआर, एडीजी आरटीजी, सभी केंद्रों के कमांडेंट, और सभी सेवा मुख्यालयों के प्रतिनिधि एआईएसई में शामिल हुए।



वायु सेना मानकीकरण अभ्यास (एएफएसई) 2024

वायु सेना मानकीकरण अभ्यास (एएफएसई) 2024, का आयोजन 08-12 अप्रैल 2024 के दौरान 1 वायु सेना चयन बोर्ड, देहरादून, में किया गया। यह अभ्यास एक बैच के लिए पाँच दिनों की अवधि में आयोजित किया गया। आठ सेवा चयन बोर्डों (पाँच वायु सेना बोर्ड और सेना, नौसेना और तटरक्षक बल से एक-एक) का प्रतिनिधित्व करने वाले

लगभग 40 मूल्यांकनकर्ताओं ने इस अभ्यास में भाग लिया। डीआईपीआर टीम, जिसमें वैज्ञानिक और सेवा अधिकारी शामिल थे, ने तकनीकी मॉडरेटर के रूप में काम किया, जबकि डीआईपीआर सांख्यिकीय टीम ने डेटा संकलन का समन्वय किया। एएफएसई में डीआईपीआर के निदेशक, सभी पांच वायु सेना बोर्डों के अध्यक्ष, एडीजी आरटीजी, और सभी सेवा मुख्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



8वीं प्रौद्योगिकी परिषद बैठक—गृह मंत्रालय-डीआरडीओ सहकार्यता

गृह मंत्रालय-डीआरडीओ सहकार्यता ने कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), मुख्यालय, का गठन किया, जिसका कार्य, बलों के संचालन के लिए गृह मंत्रालय की एजेंसियों (सीएपीएफ, आईबी, एनडीआरएफ, और राज्य पुलिस सेवाओं) को डीआरडीओ प्रौद्योगिकियों के साथ सहायता प्रदान करना है। इस सहयोग के कारण आंतरिक सुरक्षा, सीमा निगरानी, और आपदा प्रबंधन में उपयोग के लिए डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों वाले उत्पादों का विकास हुआ है। इन बलों ने पहले ही कई उत्पादों को लागू कर दिया है, और प्रयोगशालाएँ अनुसंधान और विकास के माध्यम से नए उत्पादों की सक्रिय रूप से खोज कर रही हैं। घनिष्ठ संपर्क और सहयोगी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए, प्रौद्योगिकी परिषद और शीर्ष परिषद का गठन किया गया।

8वीं प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक 09 मई 2024 को डीआरडीओ भवन में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) ने की, जबकि गृह मंत्रालय, सीआरपीएफ, बीएसएफ, एनएसजी, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनडीआरएफ, असम राइफल्स, आईबी, और दिल्ली पुलिस के सदस्य परिषद में शामिल हुए। डीबेल, एलआरडीई, आर एंड डी ई (ई), एआरडीई, आईएसएसए, वीआरडीई, आईआरडीई, डीएमएसआरडीई, एचईएमआरएल, डील, डीवाईएसएल-एआई, और डीबेर के वैज्ञानिकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से बैठक में भाग लिया।

डीएलआईसी की निदेशक श्री संगीता राव आचार्य, जो प्रौद्योगिकी परिषद की सदस्य सचिव भी हैं,



ने विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया। इनमें एसडी मैकेनिज्म के साथ यूबीजीएल, एलएमजी, सीक्यूबी, एसएसएमआई पिस्तौल, ओटीएल, हथियारबंद एचएचटीआई, डैजलर, एंटी-माइनर बूट, परिधि घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (SUMITRA), आरओवी, काउंटर ड्रोन सिस्टम, जीपीआर, मैन-पैक एसडीआर, एक्सोस्केलेटन आदि शामिल हैं। विभिन्न प्रयोगशालाओं ने नए विकास भी प्रस्तुत किए, जैसे 7.62x51 मिमी असॉल्ट राइफल

(Ugram), बीपीजे लेवल 6, एर्गोनोमिक कॉम्बैट बूट, ईसीडब्ल्यूसीएस, कॉम्पैक्ट ट्रान होराइजन कम्युनिकेशन सिस्टम (CTCS), और स्मार्ट हाइब्रिड एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम। परिषद के सदस्यों ने इन प्रौद्योगिकियों पर डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा की गई प्रगति की सराहना की और कहा कि नियमित बैठकें उभरते चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों में सीएपीएफ, एनडीआरएफ और पुलिस की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगी।

एनपीओएल में क्लस्टर परिषद की बैठक

नौसेना प्रणाली एवं सामग्री (एनएस एंड एम) की 63वीं क्लस्टर परिषद बैठक 23 मई 2024 को नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, में आयोजित की गई। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने बैठक की अध्यक्षता की।

स्वागत संबोधन डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, एनपीओएल, ने दिया। श्री आरवी हारा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे; डॉ आर बालमुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल; डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई; श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल; डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल; सुश्री के संगीता, आईडीएस; संयुक्त आईएफए; और क्लस्टर प्रयोगशालाओं के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल



हुए। महानिदेशक (एनएस एंड एम) और अन्य प्रयोगशालाओं के निदेशकों ने 31 मई 2024 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने पर डॉ अजित कुमार को सम्मानित किया।

उसी दिन, पीवीडीएफ सेंसर निर्माण सुविधा का उद्घाटन महानिदेशक (एनएस एंड एम) द्वारा किया गया और उन्होंने क्लस्टर प्रयोगशालाओं के निदेशकों के साथ सुविधा का दौरा किया।

आईटीआर में साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान

28 मई 2024 को चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विषय पर श्री प्रदीप साहा, वैज्ञानिक 'एफ' तथा कर्नल अनुराग सेन, उप-सीएसओ, आईटीआर, द्वारा व्याख्यान दिए गए। उन्होंने साइबर सुरक्षा, नवीनतम साइबर खतरों, सोशल मीडिया के उपयोग और ऐसे खतरों के संचालन के तौर-तरीकों पर डीआरडीओ कर्मचारियों के लिए विभिन्न सरकारी दिशा-निर्देशों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का आयोजन श्री पीएन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम द्वारा किया गया।



बुम ला, तवांग में संरक्षित खेती तकनीक प्रशिक्षण

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, द्वारा पीएस प्रोजेक्ट डीआरएल-101 के तहत 20 मई 2024 को बुम ला (15200 फीट ऊँचाई) के डीआरडीओ ग्रीनहाउस उपयोगकर्ताओं (15 संख्या) ने उच्च ऊँचाई की कठोर जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संरक्षित खेती तकनीक के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदर्शित किया।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, ने उपयोगकर्ताओं को एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर स्ट्रॉबेरी, पोषक तत्वों से भरपूर विदेशी सब्जियों और उनकी संबंधित उत्पादन तकनीकों के महत्व से अवगत कराया।

उपयोगकर्ताओं को अपने ग्रीनहाउस उपयोग को अनुकूलित करने के लिए विभिन्न प्रकार के उच्च



गुणवत्ता वाले कृषि-इनपुट और विदेशी सब्जी खेती तकनीक प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में उपयोगकर्ताओं को

वर्मीकंपोस्टिंग तकनीक और अच्छे कृषि अभ्यास (जीएपी) के बारे में जानकारी दी गई।

तवांग में डीआरएल आर एंड डी सेंटर और डीआरडीओ ट्रांजिट सुविधा का उद्घाटन किया गया

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने 24 मई 2024 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एल एस), और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में डीआरएल आर एंड डी केंद्र और डीआरडीओ ट्रांजिट सुविधा का उद्घाटन किया।

उन्होंने आगे और सीमावर्ती क्षेत्रों का भी दौरा किया और भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों, और तवांग जिले के स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की।



नियुक्तियाँ

निदेशक, एनपीओएल



डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, वैज्ञानिक 'एच' ने 01 जून 2024 से नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। डॉ शेषागिरी इस प्रतिष्ठित प्रणाली प्रयोगशाला के 11वें निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु, में एयरबोर्न और स्पेस बोर्न रडार डिवीजन के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

डॉ शेषागिरी के पास एयू इंजीनियरिंग कॉलेज, वाल्टेयर से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास, से एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स में एमटेक की डिग्री है। उन्होंने डीआईएटी, पुणे से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे 2002 में एलआरडीई, बेंगलुरु में वैज्ञानिक 'डी' के रूप में शामिल हुए और प्रतिष्ठित कार्यक्रम एयर डिफेंस (एडी) में काम किया। उन्होंने बहुत लंबी दूरी की रडार प्रणालियों का संचालन किया और कई एडी मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हवाई प्रणालियों के लिए रडार सिस्टम समूह के नेता रहे, और उन्होंने भारत के पहले स्वदेशी सक्रिय चरणबद्ध एरे रडार, LSTAR के डिजाइन और विकास का बीड़ा उठाया, जिसके कारण वह AEW&C का प्राथमिक रडार बना।

वे परियोजना AEW&C के लिए सिस्टम इंजीनियर के रूप में शामिल हुए और बाद में परियोजना निदेशक बने। उन्होंने एयर-टू-एयर प्राइमरी मोड के साथ पहले स्वदेशी एयरबोर्न रडार के विकास का नेतृत्व किया। उन्होंने एयरबोर्न अव्यवस्था को संभालने के लिए कई नवीन तकनीकों के साथ-साथ संवेदन रेंज बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास किया। उन्होंने तेजस-लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) में इस्तेमाल किए जाने वाले स्वदेशी रडार उत्तम के परियोजना निदेशक के रूप में भी काम किया। इस परियोजना ने देश की परिष्कृत, समकालीन AI रडार प्रणालियों को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने की क्षमता को प्रदर्शित किया। वर्तमान में, Su-30 MKI, Mig-29K और सभी LCA वेरिएंट जैसे कई लड़ाकू विमान इस रडार को लैस करने की तैयारी कर रहे हैं। इन दो एयरबोर्न रडार ने भारत को एयरबोर्न रडार सेगमेंट में आत्मनिर्भर बना दिया। भारत दुनिया का तीसरा देश है जिसने सफलतापूर्वक, एयरबोर्न और फायर कंट्रोल रडार दोनों विकसित किए हैं। उन्होंने भारत को हवाई रडार में आत्मनिर्भर बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई।

उन्हें 2011 में डीआरडीओ साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड, IETE-IRS अवार्ड (2019), SKOCH प्लेटिनम अवार्ड (2016) और LCA के लिए उत्तम रडार के विकास के लिए पाथ ब्रेकिंग रिसर्च अवार्ड (2020) सहित कई पुरस्कार मिले। उन्होंने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और पत्रिकाओं में लगभग 40 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

उच्च योग्यता अर्जन



डॉ ललित मोहन पंत, वैज्ञानिक 'एफ', यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली, के सेंसर, इंस्ट्रूमेंटेशन और साइबर-फिजिकल सिस्टम इंजीनियरिंग केंद्र से उनकी थीसिस 'इंवेस्टीगेशंस ऑन मैट्रोलोजी ऑफ फ्रीफॉर्म ऑप्टिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन इंफ्रारेड इमेजिंग' के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य फ्रीफॉर्म वेवफ्रंट को मापने के लिए कम लागत वाली मापन विधि विकसित करना और इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए फ्रीफॉर्म ऑप्टिक्स के उपयोग का पता लगाना था। थर्मल-प्रेरित डिफोकस की भरपाई के लिए इन्फ्रारेड इमेजिंग सिस्टम में उपयोग के लिए एक क्यूबिक फ्रीफॉर्म घटक विकसित किया गया है।

पेटेंट

✳ भारतीय पेटेंट कार्यालय ने नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, के निर्मल मोहन, मंगलराज सैमुअल थियोफिलस, और कृष्णकुमार पी को 'ए टेलीमेट्री-कम-कंट्रोल सिस्टम फॉर टोड लीनियर प्रोजेक्टर एरेज' के लिए पेटेंट संख्या 468465 प्रदान की गई।

✳ भारतीय पेटेंट कार्यालय ने नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, के निर्मल मोहन और राजेश कुमार सीएस को 'ए फाल्ट-टोलरेंट डिजिटल डाटा एक्वीजीशन एंड टेलीमेट्री सिस्टम फॉर थिन लाइन टोड एरेज ओवर सिंगल कोएक्सअल केबल' के लिए पेटेंट संख्या 467222 प्रदान की गई।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

केयर, बेंगलुरु

एवीएम जॉर्ज थॉमस एवीएसएम, वीएम, ने 18 अप्रैल 2024 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, का दौरा किया। डॉ. ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर, ने उन्हें प्रयोगशाला की विभिन्न परियोजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। ब्रीफिंग के बाद बुद्धिमान प्रणालियों और रोबोटिक्स के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

डिपास, दिल्ली

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सारिन, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (नौसेना), ने नौसेना मुख्यालय के 3 चिकित्सा अधिकारियों के साथ 13 जून 2024 को रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली, का दौरा किया। डॉ. राजीव वाष्णीय, निदेशक, डिपास, ने उन्हें संस्थान में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में जानकारी दी और सहयोगी परियोजनाओं और हाई एल्टीट्यूड डाइविंग रिसर्च सिमुलेशन सुविधा की स्थापना के लिए हाल ही में डिपास टीम के आईएनएस अश्विनी, मुंबई के दौरे के बारे में भी बात की।

डीजीएमएस (नौसेना) ने डिपास के काम की सराहना की और नौसेना चिकित्सा और शरीर विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक कार्य को मजबूत करने के लिए अपने कार्यालय की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

डीआईपीआर, दिल्ली

सर्जन वाइस एडमिरल आरती सारिन, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (नौसेना), ने 13 जून 2024 को एक परिचयात्मक दौरे पर रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, का दौरा किया। डीआईपीआर की निदेशक डॉ. अरुणिमा गुप्ता ने



केयर, बेंगलुरु में एवीएम जॉर्ज थॉमस, एवीएसएम, वीएम



सर्जन वाइस एडमिरल आरती सारिन, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (नौसेना), डिपास, दिल्ली के अपने दौरे के दौरान

गणमान्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें प्रयोगशाला की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

11 जून 2024 को कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय, और रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय इंटरैक्टिव बैठक और ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र का आयोजन किया गया। बैठक विभिन्न सुरक्षा बलों के

मानव प्रदर्शन अनुकूलन और बदलते तकनीकी-सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और समकालीन चुनौतियों के संदर्भ में स्क्रीनिंग, चयन, प्लेसमेंट, प्रशिक्षण और कल्याण से संबंधित चुनौतियों के बारे में थी।

श्री संगीता राव आचार्य, निदेशक, डीएलआईसी ने सीएपीएफ में जीवन विज्ञान क्लस्टर के योगदान पर एक संक्षिप्त अवलोकन दिया और कभी-बदलते सैन्य/सुरक्षा परिदृश्य में मनोवैज्ञानिक

कारकों के महत्व पर जोर दिया। बातचीत के दौरान, डॉ अरुणिमा गुप्ता ने मानव प्रदर्शन अनुकूलन को संबोधित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास दृष्टिकोणों में तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया और सीएपीएफ के लिए अनुसंधान के प्रमुख परिणामों के बारे में जानकारी दी। आठ सेवाओं अर्थात् सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी, एनडीआरएफ, सीआईएसएफ और दिल्ली पुलिस के मानव संसाधन/कार्मिकों से डील करने वाले कमांडेंट/समतुल्य और उससे ऊपर के रैंक के सत्रह वरिष्ठ अधिकारियों ने इंटरैक्टिव और आकर्षक चर्चाओं में भाग लिया।

एचईएमआरएल, पुणे

✽ एयर वाइस मार्शल तेजपाल सिंह, एवीएसएम, वीएम, कमांडेंट, एएसटीई, ने 15 मई 2024 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे, का दौरा किया। उन्होंने 'हॉल ऑफ एनर्जी' (प्रदर्शनी हॉल), फ्लेयर स्मोक एंड डिले (एफएस एंड डी) समूह, और एचईएमआरएल में हाई एक्सप्लोसिव (HE) समूह का दौरा किया। फ्लेयर्स और एफएलएससी क्षेत्रों में काम ने उन्हें प्रभावित किया और उन्होंने एचईएमआरएल के भारतीय वायु सेना में योगदान की प्रशंसा की।

✽ यात्रा के दौरान, एयर वाइस मार्शल तेजपाल सिंह ने एचईएमआरएल की अनुसंधान और विकास गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई।

✽ डॉ एस वी कामत, सचिव डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने 18 मई 2023 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे, का दौरा किया। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एसीईएम, नासिक, में लार्ज मोटर कास्ट क्योर फैसिलिटी का उद्घाटन किया।

✽ वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दौरे के दौरान ठोस रॉकेट प्रणोदक प्रौद्योगिकी, उच्च



दिल्ली के डीआईपीआर में एक दिवसीय इंटरैक्टिव मीट के दौरान प्रतिभागियों के साथ डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर



एचईएमआरएल, पुणे में अपने दौरे के दौरान एयर वाइस मार्शल तेजपाल सिंह, एवीएसएम, वीएम



एचईएमआरएल, पुणे, में डॉ एस वी कामत, सचिव डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ के साथ श्री एनपीएन राव, वैज्ञानिक 'जी'

प्रदर्शन वाले गन प्रणोदक, प्रोग्रामेबल ऑप्टो-पाइरो प्रौद्योगिकी और टीएनटी प्रतिस्थापन के रूप में ठवड पर प्रस्तुतियाँ दीं।

✽ उन्होंने प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और एचईएमआरएल में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की।

इनमास, दिल्ली

✽ परमाणु सुरक्षा के महानिरीक्षक, भारतीय नौसेना, वाइस एडमिरल आनंद वाई सरदेसाई, वीएसएम, ने 27 मई, 2024 को नई दिल्ली स्थित नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), का दौरा किया और परमाणु आपात स्थितियों के लिए तैयारियों के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का अवलोकन किया।

डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास, द्वारा आईजीएनएस को प्रयोगशाला में किए गए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया गया। डॉ चांदना ने आईजीएनएस को 'बायोडोसिमेट्री लैब' और 'ड्रग डेवलपमेंट लैब' के बारे में बताया तथा उन्हें विकिरण जोखिम पहचान परीक्षणों और रेडियोप्रोटेक्टर्स और डेकोरेटिंग एजेंटों के विकास के बारे में जानकारी दी। आईजीएनएस ने परमाणु सुरक्षा पर नौसेना कर्मियों के प्रशिक्षण में इनमास के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की तथा इनमास द्वारा परमाणु सुरक्षा के लिए डेकोरेटिंग एजेंटों के विकास और उत्पादों के स्वदेशीकरण का स्वागत किया।

✽ लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (सेना), ने 07 जून, 2024 को नई दिल्ली स्थित इनमास, का दौरा किया और परमाणु आपात स्थितियों के लिए तैयारियों के क्षेत्र में की जा रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। इनमास के निदेशक डॉ सुधीर चंदना ने उन्हें इनमास का अवलोकन कराया और लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (सेना), को इनमास में उपलब्ध गतिविधियों, प्रमुख क्षेत्रों और अनुसंधान सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। डीजीएमएस (सेना) को 'बायोडोसिमेट्री लैब', 'ड्रग डेवलपमेंट लैब', और 'एनएमआर सुविधा' का भ्रमण भी कराया गया, जहां उन्हें विकिरण जोखिम का पता लगाने वाले परीक्षणों, रेडियो-प्रोटेक्टर और डिक्ॉर्परेटिंग एजेंटों के विकास और



निदेशक, इनमास, दिल्ली, से बातचीत करते हुए भारतीय नौसेना के परमाणु सुरक्षा महानिरीक्षक, वाइस एडमिरल आनंद वाई सरदेसाई, वीएसएम



लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी, एवीएसएम, वीएसएम, डीजीएमएस (सेना), इनमास, दिल्ली, में अपने दौरे के दौरान रेडियोलॉजिकल इमेजिंग परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। डीजीएमएस (सेना) को रेडियोधर्मिता से बचाव और कीटाणुशोधन के लिए आईएनएमएस द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों जैसे मेडिकल रिस्पॉन्डर प्रोटेक्शन सूट, सुपर एब्जॉर्बेंट जेल, डीकॉन्टैमिनेशन वाइप्स, और बडी केंयर आरएंडएन डीकॉन्टैमिनेशन किट के बारे में जानकारी दी गई। ✽ डीजीएमएस (सेना) ने 'मोबाइल रेडिएशन बायोडोसिमेट्री लैब', 'सीबीआरएनई मेडिकल एंड रिस्पॉन्स मैनेजमेंट' एडवांस ट्रेनिंग, सैनिकों द्वारा सामना की जाने वाली चिकित्सीय बीमारियों के पूर्वानुमान मॉडलिंग के लिए बायोमार्कर एनालिसिस एप्रोच, में रुचि व्यक्त की।